

Maharashtra Board CLASS 12 Sanskrit 33-J-823 Question Paper with Solutions

Time Allowed :3 Hours	Maximum Marks :80	Total Questions :12
-----------------------	-------------------	---------------------

सामान्य निर्देश

1. सर्व प्रश्नानि पूरयित्वा लेखितानि आवश्यकानि ।
2. उत्तराणि सुस्पष्टं स्पष्टं च यथार्थं लिखितानि सन्ति ।
3. प्रत्येक प्रश्नस्य उत्तरस्य प्रारंभे नूतनपृष्ठे लेखनं कर्तव्यम् ।
4. प्रत्येक प्रश्नं कर्तव्यं । उत्तराणि समये पूर्णानि कर्तव्यं ।

1. प्र. २ (अ) चित्र दृष्ट्वा व्यावहारिक सूचना : संस्कृतभाषायां लिखत ।



उत्तर :

- (१) सावधानतया गच्छतु । (Move cautiously.)
(२) सञ्चारयन्त्रं न उपयोज्यताम् । (Let the mobile phone not be used.)
(३) अत्र तिष्ठतु । (Stop here.)

Quick Tip

चित्राणां विश्लेषणं कृत्वा उचितं संस्कृतवाक्यं लेखनं भाषायाः अध्ययनाय साहाय्यं करिष्यति ।

1(B). प्र. २ (ब) व्यावहारिकवृत्तिसंकेतः शब्द द्वयं उवाच-स्तंती लिखता (इति तं ४)

Solution :

उत्तर :

नाट्यम्	वाद्यम्	कला
नाट्य	ताळ	चित्रकला
कर्णप्रियम्	संगीत	शिल्पकला
वाचन	वाद्य	नृत्यकला

Quick Tip

विभिन्न कलांचे वर्गीकरण आणि त्यांची वैशिष्ट्ये समजून घेण्याचा अभ्यास करणे महत्त्वाचे आहे.

प्र. २ (अ) पदांशं पूर्णं कर्तुं कुशलम् ।

1. (i) उत्तं कारणं वित्ता बक्यं पुनर्लिखितं ।

उत्तर : वस्तु : संपत्ति, वर्गिण : धन्य ।

Quick Tip

संस्कृत वाक्यलेखनासाठी व्याकरणाचे अभ्यास आवश्यक आहे ।

2. (ii) उत्तं शब्दं दत्त्वा चतुःकां पुरयेत् ।

उत्तर : विपदामादेव प्रतिक्रिया : सहाय्य, करुणा ।

Quick Tip

संस्कृत वाक्यलेखन सुस्पष्ट आणि शुद्ध असावा यासाठी नियमित अभ्यास आवश्यक आहे ।

3. (iii) पूर्णवाक्यं उत्तरं लिख ।

का वस्तु : कि वर्गिण ?

चिन्तनीया हि विपदामादेव प्रतिक्रिया ।
न कृत्स्नं खलु प्रदेये बहिनां गृहं ।
उत्तर : वस्तु : संपत्ति, वर्गिण : धन्य ।

Quick Tip

संस्कृत वाक्यलेखनासाठी व्याकरणाचे अभ्यास आवश्यक आहे ।

2(A)(ii). प्र. २ (ii)

पृच्छकरणं । प्रवाहि चालं पूरितं ।

- (i) हसिन्वति
- (ii) रक्षित
- (iii) गम्यति
- (iv) भास्वान्
- (v) उदायति
- (vi) सुप्रभातं

उत्तर : 1. हसिन्वति 2. रक्षित 3. गम्यति 4. भास्वान् 5. उदायति 6. सुप्रभातं

Quick Tip

कथा : संस्कृत शब्दकोशाचं समग्र अभ्यास करा ।

1.(ख) पदांशं पठित्वा निर्देशं कृत्वा : कृत्व ।

1. (i) पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखत ।

कः : हीनीकृतम् ?

उत्तर : हीनीकृतम् शब्द का अर्थ किसी को नीचा दिखाना या अपमानित करना होता है । इस प्रश्न में संदर्भित व्यक्ति या विषय के आधार पर उत्तर लिखा जाएगा ।

Quick Tip

संस्कृत में प्रश्न पूछने के लिए 'कः', 'किम्', 'कस्य' जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है ।

2. (ii) वाक्यं पुनर्लिखित्वा सत्यम् / असत्यम् लिखत ।

यमुना शहरस्य मूर्तिः स्थिता ।

उत्तर : यह वाक्य असत्य है क्योंकि यमुना कोई मूर्ति नहीं, बल्कि एक नदी है । सही वाक्य होगा : यमुना नदी शहरस्य समीपे प्रवहति ।

Quick Tip

संस्कृत में वाक्य सत्य/असत्य जांचने के लिए संज्ञा और विशेषणों की सही पहचान आवश्यक है ।

3. (iii) उचितं शब्दं चित्वा चतुर्कोणं पूरयत ।

अश्लेषवदनः : प्रत्युत्तरं ददाति — ____

कस्यां लोहिततलोपमस्य चरणो हंसः : कुतो मानसात् ।

किं तज्ञासि सुवर्णपृष्ठबानानाम् : सुभाषितानिभम् ।

रत्नानां निचयः प्रवालभण्णो वैडूर्यरौहः : क्वचित् ।

शाकुन्ता अपि सन्ति ? नैव च बकसाकर्ष हीनीकृतम् ॥ २ ॥

अङ्का कुपति तात मूर्तिं विगृह्य गङ्गेयमुपसर्जय ।

विन्दु रषपुष्क का गानिशम् चिरं मूर्तिं स्थिताया वद ॥

कोपोपशोषाशयाशब्देन : प्रत्युत्तरं ददाति ।

उत्तर : उचित शब्द होगा : अभाष्यजालानि

Quick Tip

संस्कृत में रिक्त स्थान भरने के लिए व्याकरणिक नियमों और प्रसंग को ध्यान में रखना आवश्यक है ।

2(B). 2. शब्दज्ञानम् (३ तः २)

1. (i) नामस्थाने सर्वनाम प्रयोगं वाक्यं पुनर्लिखत ।

मानसे सुभाषितानिभम् अभः । अस्ति । (तद्)

उत्तर : तस्य मानसे सुभाषितानिभम् अभः अस्ति ।

Quick Tip

संस्कृत में सर्वनाम (Pronouns) का प्रयोग वाक्य में संज्ञा के स्थान पर किया जाता है ।

2. (ii) समानार्थकं कुरुत ।

बकसाकर्ष = _____ , _____ ।

उत्तर : बकसाकर्ष = मूर्खः, अज्ञः ।

Quick Tip

संस्कृत में समानार्थक शब्द (Synonyms) को पहचानने से भाषा समझने की क्षमता बढ़ती है ।

3. (iii) विकटार्थं शब्दं लिखत ।

(१) विद्युत् × _____ (२) दत्तवान् × _____

उत्तर : (१) विद्युत् × अविद्युत् (२) दत्तवान् × अदत्तवान्

Quick Tip

संस्कृत में विलोम शब्द (Antonyms) पहचानने के लिए उपसर्ग एवं प्रत्यय का अध्ययन आवश्यक है ।

(क) पदांशं पठित्वा अन्वयपूर्वकं कुरुत अथवा माध्यमभाषया सरलार्थं लिखत ।

विर्यासागरः स्वान्तवाचिबन्धे कस्तदुग्रो भवन्मार्गधाम्ना ।

तितिक्षयोपास श्रमिक्कनाभिधानमार्गदिकालदिह पाण्डुरङ्कः ॥१॥

भगवतज्वलालभूदर्धनादर्नुजुर्विर्भल - विहृतोऽति ।

आयाभासमे प्रतिवर्ष क्षेत्रे समागतं पाण्डरीकं ॥२॥

अन्वयः - श्रमः _____ स्वान्तवाचिबन्धे _____ कस्तदुग्रः ।

_____ अनार्तिकालात् इह _____ तितिक्षति ।

अत्र प्रतिवर्षं _____

तालमृदङ्गनादेः _____ इति प्रोक्तः गर्जन् _____ पाण्डरीकं _____ समागतं ।

उत्तरः भगवतज्ज्वलालभूदर्घनादर्ननुजुर्विर्भल = तेजोमय शरीर तितिक्षा = धैर्य अनार्तिकालात् = संकट समय से प्रतिवर्षं = हर वर्ष तालमृदङ्गनादः = संगीत ध्वनि

Quick Tip

संस्कृत गद्य को समझने के लिए अन्वय करना आवश्यक है, जिससे शब्दों का सही क्रम एवं अर्थ स्पष्ट होता है ।

प्र. ३. (अ) गद्यांशं पठित्वा निर्देशं कृत्वा कुरुत ।

(२) अवबोधनम् (३ तः २)

1. (i) पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखत ।

के अर्थप्रकाशकाः ?

उत्तरः शब्दाः अर्थप्रकाशकाः भवन्ति ।

Quick Tip

संस्कृत में शब्द ज्ञान और उनका अर्थ स्पष्ट करने के लिए प्राचीन व्याकरण ग्रंथों का अध्ययन आवश्यक है ।

2. (ii) वाक्यं पुनर्लिखित्वा सत्यम् / असत्यम् लिखत ।

"लौकिक-वैदिक-संस्कृतशास्त्राणां निर्णयं कर्तुं शक्यते ।"

उत्तरः यह वाक्य सत्यम् अस्ति । संस्कृत भाषा में लौकिक, वैदिक एवं शास्त्रीय शब्दों का निर्णय किया जा सकता है ।

Quick Tip

संस्कृत भाषा में विभिन्न स्तरों पर विभाजन किया जाता है – लौकिक, वैदिक, एवं शास्त्रीय संस्कृत ।

3. (iii) रेखांकित पदम् आधाय प्रश्ननिर्माणं कुरुत ।

"निःशेषं शब्दानां निर्माणं इतिहासः कथयति ।"

उत्तर : इतिहासः किं कथयति ?

Quick Tip

संस्कृत में प्रश्न निर्माण करने के लिए उचित विभक्ति एवं कारक का प्रयोग आवश्यक होता है ।

3. (२) शब्दज्ञानम् (३ तः २)

1. (i) रेखांकित नामस्थाने 'तद्' सर्वनाम प्रयोग्यं वाक्यं पुनर्लिखत ।

"शब्दानां मूलार्थप्रतिपादनम् एव भाषायाः वैशिष्ट्यम् ।"

उत्तर : "तद् शब्दानां मूलार्थप्रतिपादनम् एव भाषायाः वैशिष्ट्यम् ।"

Quick Tip

संस्कृत में सर्वनाम (Pronouns) का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर होता है और वाक्य में सही रूप का चयन आवश्यक है ।

2. (ii) विशेषण-विशेष्याणां मेलं कुरुत ।

'अ' 'आ'

प्रतिज्ञाः इतिहासम्

निःशेषम् विषयः

निर्वचनम्

उत्तर :

प्रतिज्ञा: - इतिहासम् निःशेषम् - विषयः निर्वचनम् - शब्दानाम्

Quick Tip

संस्कृत में विशेषण (Adjective) और विशेष्य (Noun) को सही प्रकार से जोड़ने के लिए उनके लिंग, वचन, और कारक का मेल होना आवश्यक है।

3. (iii) तृतीयाविभक्त्यन्तपदे गद्यांशतः लिखत ।

(१) _____ । (२) _____ ।

उत्तर :

(१) शब्दानाम् (२) इतिहासाय

Quick Tip

संस्कृत में तृतीयाविभक्ति (Instrumental Case) को पहचानने के लिए क्रिया के साथ संबंध समझना आवश्यक होता है।

अथवा

2(B). (२) पृथक्करणम् ।

जालरेखाचित्रं पूरयत ।

प्रभः	कश्मीरी	तेलुगु
	पंजाबी	उड़िया

उत्तर :

प्रभः	कश्मीरी - भ्रमः	तेलुगु - प्रभम्
	पंजाबी - भर्मा	उड़िया - भजे

Quick Tip

संस्कृत शब्दों के विभिन्न भारतीय भाषाओं में प्रयोग को समझने से भाषा के विकास को समझने में सहायता मिलती है ।

(क) माध्यमभाषया सरलार्थं स्पष्टीकुरुत । (२ तः १)

1. (१) प्रशासनस्य द्वौ विभागौ ।

उत्तर : प्रशासन के दो प्रमुख विभाग होते हैं, जो संगठनात्मक कार्यों का विभाजन करते हैं ।

Quick Tip

प्रशासन विभिन्न स्तरों पर विभाजित होता है, जिससे कार्यों को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके ।

२. (२) सूक्ष्मरीक्षामात्रः प्रदीपः ।

उत्तर : प्रदीप केवल सूक्ष्म परीक्षण का एक माध्यम है, जिससे गहन विश्लेषण किया जाता है ।

Quick Tip

संस्कृत वाक्यों का सही अर्थ निकालने के लिए संदर्भ के अनुसार शब्दों का विश्लेषण आवश्यक होता है ।

चतुर्थः विभागः - नाट्यकलाः ।

(अवबोधनम्, शब्दज्ञानम्, पृथक्करणम्, स्पष्टीकरणम्)

प्र. ४. (अ) नाट्यांशं पठित्वा निर्देशं कृत्वा कुरुत ।

(२) अवबोधनम् (३ तः २)

1. उचितं वाक्यांशं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत ।

घटोत्कचः भीमं प्रसादं याचते, यतः _____ ।

उत्तर : घटोत्कचः भीमं प्रसादं याचते, यतः ब्राह्मणजनपराणाम् अत्रांतः ।

Quick Tip

संस्कृत नाटकों में पात्रों के संवादों को ध्यान से पढ़कर उचित उत्तर चुनना आवश्यक होता है ।

(2). उचितं शब्दं चित्वा चतुर्कोणं पूरयत ।

घटोत्कचस्य मातुः : आहारार्थम् आगतः । मातुः : _____ ।

उत्तर : घटोत्कचस्य मातुः : आहारार्थम् आगतः । मातुः : किकरः ।

Quick Tip

संस्कृत में रिक्त स्थान भरने के लिए सही पद का चयन करना आवश्यक होता है, जिससे वाक्य का अर्थ स्पष्ट हो ।

(iii). पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखत ।

पितृहत्यायां कोऽपराधी ?

उत्तर : इदं पुष्पणं पितृभ्यं भोज्यमस्ति ।

Quick Tip

संस्कृत नाटकों में संवादों का अध्ययन करके संदर्भ के अनुसार उत्तर देना आवश्यक होता है ।

(२). शब्दज्ञानम् (३ तः २)

1. नाट्यांशातः ह्रस्वर्थक-धातुसाधित-अव्यय चित्वा ।

(१) _____ (२) _____

उत्तर :

ह्रस्वर्थक : नटः धातुसाधित : नृत्यति अव्यय : सर्वदा

Quick Tip

संस्कृत में शब्दों को उनकी उत्पत्ति और व्याकरणिक संरचना के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है, जैसे कि धातुसाधित, अव्यय, और संज्ञा ।

2. समानार्थकं कुरुत ।

अनुग्रहोत्कर्षम् = _____ , _____ ।

उत्तर :

अनुग्रहोत्कर्षम् = कृपा, प्रसादः ।

Quick Tip

संस्कृत में समानार्थक शब्द (Synonyms) को जानने से शब्दकोश की शक्ति बढ़ती है और साहित्यिक समझ में सुधार होता है ।

3. विपर्यर्थकं शब्दं लिखत ।

(१) अनृतम् × _____ । (२) अयत् × _____ ।

उत्तर :

अनृतम् × सत्यम् । अयत् × सयत् ।

Quick Tip

संस्कृत में विपर्यर्थक (Antonyms) शब्दों को पहचानने के लिए उपसर्गों और धातुओं की पहचान करना आवश्यक होता है ।

(क) नाट्यांशं पठित्वा निर्देशं कृत्वा कुरुत ।

(२) अवबोधनम् (३ तः २)

1. उचितं कारणं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत ।

शाण्डिल्यः पण्डितजनस्य भाषाभारस्यं संज्ञाम्, यतः _____ ।

(अ) सः ज्ञातव्यः । (आ) सः पिञ्जलव्यः ।

उत्तरः

शाण्डिल्यः पण्डितजनस्य भाषाभारस्यं संज्ञाम्, यतः सः ज्ञातव्यः ।

Quick Tip

संस्कृत में वाक्य पुनर्निर्माण हेतु उचित शब्द चयन आवश्यक होता है, जिससे वाक्य का सही अर्थ स्पष्ट हो ।

2. वाक्यं पुनर्लिखित्वा सत्यम् / असत्यम् लिखत ।

"अध्ययनेन अत्यासक्तिः भवति ।"

उत्तरः

यह वाक्य असत्यम् अस्ति । अध्ययन से ज्ञानवृद्धिः भवति, न कि अत्यासक्तिः ।

Quick Tip

संस्कृत में सत्य / असत्य पहचानने के लिए व्याकरणिक संदर्भ एवं प्रसंग को ध्यान में रखना आवश्यक होता है ।

3. रेखांकितं पदम् आधाय प्रश्ननिर्माणं कुरुत ।

आवा शिक्षार्थ एव गच्छाव ।

उत्तरः

कि कारणं यत् आवा शिक्षार्थ गच्छाव ?

Quick Tip

संस्कृत में प्रश्न निर्माण हेतु उचित प्रश्नवाचक शब्दों का प्रयोग आवश्यक होता है, जैसे - कि, कः, कुत्र, कथम् ।

4. संवाद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखत ।

शाण्डिल्यः - भोः, क्षुधा मां याचते । अस्माकं गेहे अन्नान्नस्य अतीव चुम्बिता । परिव्राजकः - न भोक्तव्यम् । आगच्छ, अध्ययनकाले इदानीम् । शाण्डिल्यः - असमर्थः अध्ययनं, पिपासोऽहं गच्छामि ।

(१) शाण्डिल्यः किं याचते ?

उत्तरः

शाण्डिल्यः अन्नं याचते ।

(२) परिव्राजकः किं उपदेशं ददाति ?

उत्तरः

परिव्राजकः शाण्डिल्यं अध्ययनं कर्तुं उपदेशं ददाति ।

Quick Tip

संस्कृत नाटकों में संवादों को ध्यान से पढ़कर पात्रों की भूमिका एवं संदेश को समझना आवश्यक होता है ।

(२) पृथक्करणम् ।

1. क्रमेण योजयित्वा वाक्यानि पुनर्लिखत ।

(अ) (१) वस्त्रसेवायाः उद्यानगमनम् ।

(२) परिव्राजकस्य शाण्डिल्यस्य च उद्यानप्रवेशः ।

उत्तरः

परिव्राजकः शाण्डिल्यस्य सह उद्यानं प्रविशति । वस्त्रसेवायाः कारणेन उद्यानगमनम् आवश्यकम् ।

Quick Tip

संस्कृत वाक्य निर्माण में क्रमशः उपवाक्यों को जोड़ने के लिए उचित क्रिया और विभक्ति प्रयोग आवश्यक होता है ।

2. गणिकादर्शनं शाण्डिल्यस्य आनन्दः ।

उत्तर :

शाण्डिल्यस्य गणिकादर्शनं कारणेन आनन्दः उत्पन्नः ।

Quick Tip

संस्कृत में कर्ता, कर्म और क्रिया के सही मेल से वाक्य अर्थ स्पष्ट होता है ।

3. परिव्राजकस्य योगचिन्तनविषये आदेशः ।

उत्तर :

परिव्राजकः शाण्डिल्यं योगचिन्तनाय आदेशं ददाति ।

Quick Tip

संस्कृत वाक्यों में आदेश या उपदेश देने के लिए कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य प्रयोग महत्वपूर्ण होता है ।

(क) माध्यमभाषया समस्त्यं स्पष्टीकुरुत । (२ तः १)

१. न च गुरुनियोगाः विचारकर्षणाः ।

उत्तर :

गुरु द्वारा दिया गया आदेश या निर्देश संदेह में नहीं पड़ता, उसका पालन आवश्यक होता है ।

Quick Tip

संस्कृत में निषेधार्थक वाक्यों को पहचानने के लिए 'न' या 'मा' का प्रयोग किया जाता है ।

२. त्वमेव सूक्ष्मधारो भूत्वा लोकनाट्यं प्रदर्शय ।

उत्तर :

तुम्हें ही विचारशील बनकर लोकनाट्य को प्रस्तुत करना चाहिए ।

Quick Tip

संस्कृत में आदेशात्मक वाक्य 'लोट् लकार' का प्रयोग करके बनाए जाते हैं ।

५. प्रश्न ५. उचित विकल्पं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत । (१० तः ८) १. _____ सुवर्णकालः इति उच्यते ।

(मौर्यकालः, कुषाणकालः, गुप्तकालः)

उत्तर :

गुप्तकालः सुवर्णकालः इति उच्यते ।

Quick Tip

संस्कृत में ऐतिहासिक संदर्भों में "गुप्तकाल" को सुवर्णकाल कहा जाता है क्योंकि इस काल में कला, संस्कृति और विज्ञान का उत्कर्ष हुआ ।

२. शक-क्षत्र-कुषाणादयः _____ ।

(राजवंशाः, महापुरुषाः, गणराज्याः)

उत्तर :

शक-क्षत्र-कुषाणादयः राजवंशाः ।

Quick Tip

संस्कृत में ऐतिहासिक राजवंशों के संदर्भ में "शक, क्षत्र, कुषाण" को प्रमुख राजवंश माना जाता है ।

३. अरङ्कोर-महिदर-समूहः _____ देशे वर्तते ।

(कम्बोडिया, बाली, श्रीलंका)

उत्तर :

अरङ्कोर-महिदूर-समूहः कम्बोडिया देशे वर्तते ।

Quick Tip

संस्कृत में प्राचीन भौगोलिक स्थानों के नाम कई बार संस्कृत शब्दों के आधार पर बनते हैं, जैसे "अरङ्कोर" कम्बोडिया में प्रसिद्ध मंदिर समूह है ।

४. सङ्ग्रहणं, सुव्याकरणं, वाचनं, मुद्रणं, स्पष्टीकरणं, तथैव संरक्षणम् इत्येते विषयाः _____ अन्तर्भूताः ।

(मूर्तिशास्त्रे, हस्तलिखितग्रन्थशास्त्रे, स्थापत्यशास्त्रे)

उत्तर :

सङ्ग्रहणं, सुव्याकरणं, वाचनं, मुद्रणं, स्पष्टीकरणं, तथैव संरक्षणम् इत्येते विषयाः हस्तलिखितग्रन्थ-शास्त्रे अन्तर्भूताः ।

Quick Tip

हस्तलिखित ग्रंथों का अध्ययन, संपादन और संरक्षण संस्कृत साहित्य अध्ययन का महत्वपूर्ण भाग है ।

५. _____ वाचनार्थं लिपिशास्त्रस्य ज्ञानम् आवश्यकम् ।

(लिपिज्ञानं, चित्राणां, मूर्तिनां)

उत्तर :

लिपिज्ञानं वाचनार्थं लिपिशास्त्रस्य ज्ञानम् आवश्यकम् ।

Quick Tip

संस्कृत में लिपियों का ज्ञान आवश्यक होता है ताकि प्राचीन ग्रंथों को पढ़ा और समझा जा सके ।

६. संस्कृतनाट्यस्य मूलं _____ तथा यज्ञविधिषु दृश्यते ।

(वैदिकसंहिता, उपनिषदः, वेदाङ्गानि)

उत्तर :

संस्कृतनाट्यस्य मूलं वैदिकसंहिता तथा यज्ञविधिषु दृश्यते ।

Quick Tip

संस्कृत नाट्यशास्त्र का मूल वैदिक संहिताओं में निहित है, जहाँ यज्ञों में नाटकीय प्रस्तुति के प्रारंभिक रूप मिलते हैं ।

७. महात्मानिवृत्तिः अवश्यं च _____ क्रियते स्म ।

(कृतककलहः, कृतकसंवादः, कृतकनाटकः)

उत्तर :

महात्मानिवृत्तिः अवश्यं च कृतकनाटकः क्रियते स्म ।

Quick Tip

संस्कृत साहित्य में "कृतकनाटक" शब्द का प्रयोग किसी घटना को नाटकीय रूप से प्रस्तुत करने के लिए किया जाता है ।

८. "नाटके नाम कः ? चाक्षुषः कृतुः" इति _____ वर्णयति ।

(कालिदासः, भासः, माधः)

उत्तर :

"नाटके नाम कः ? चाक्षुषः कृतुः" इति भासः वर्णयति ।

Quick Tip

संस्कृत साहित्य में भासः प्रसिद्ध नाटककार हैं, जिनके नाटकों में चाक्षुष प्रभाव का उल्लेख मिलता है ।

१. नाट्येतरः सर्वे साहित्यप्रकाराः केवलं _____ भवति ।

(श्रव्यः, मनोरञ्जकः, दृश्यः)

उत्तरः

नाट्येतरः सर्वे साहित्यप्रकाराः केवलं श्रव्यः भवति ।

Quick Tip

संस्कृत साहित्य में नाट्यकला को 'दृश्य' एवं अन्य साहित्यिक विधाओं को 'श्रव्य' माना जाता है ।

१०. _____ उत्तररामचरिते रामायणस्य कथा एव परिवर्तिता ।

(भवभूतिना, पाणिनिना, कालिदासेन)

उत्तरः

भवभूतिना उत्तररामचरिते रामायणस्य कथा एव परिवर्तिता ।

Quick Tip

संस्कृत साहित्य में भवभूति ने 'उत्तररामचरित' नामक नाटक लिखा, जिसमें रामायण की कथा को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है ।

६. प्रश्न ६. अवबोधनं कृत्वा पठन्तु । (३ तः २)

मङ्गलश्रुताः - उचितान् शब्दान् चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयित्वा विशेषवर्णनं पुनर्लिखत ।

‘बाल-डिक्सन’ नाम्ना निर्माणसंविधाय चित्रस्य पुनः प्रस्तुतिः इत्यत्र । मुस्कान, शिक्षा, स्वराः, अभिनय, पूजाः, इत्यादयः । पात्रः : अफिरकाखण्डे वनप्रदेशे निवसन्ति । कौशलम् कृतं तेषां संबंधः अत्र वर्णितः ।

अनुप्राणनवेतुरे कौशलम् कौशलं तु मौलिकमेव । किन्तु, पार्श्ववेदकानाम् अपि राज्यस्य अतीव महत्त्वपूर्णं भवति । यतः तेषां तन्त्राणां माध्यमे रक्षकः कथायाः आस्वादनं ।

आङ्गलभाषायामे सैथ-चोडरिक तथैव जेम्स-अर्ल-जोनस इति द्वौ पार्श्ववेदकः । अस्य चित्रस्य हिन्दीसं-

स्करणे तु निर्माणसंविधाय अभिनेता शाहरुखखानः च । तस्य पुत्रः आर्यनखानः च पार्श्ववेदनं कृतवान् ।
एतदपि अस्य चित्रस्य भारते लोकप्रियतात्वं कारणम् ।

उत्तरः

महत्वपूर्ण शब्दाः

कौशलम् - कला या दक्षता

निर्माणसंविधाय - निर्माण प्रक्रिया

स्वराणां - ध्वनियों का

अफिरकाखण्डे - अफ्रीकी महाद्वीप में

तन्त्राणां - तंत्रों का

राज्यस्य - शासन का

पार्श्ववेदकः - डबिंग कलाकार

२. निमन्त्रणपत्रिका : आयोजनं संस्कृतभाषया तुलान्तलेखनं कुरुत ।

उत्तरः

निमन्त्रणम्

॥ संमिलनाय समर्पिताय ॥

स्नेहसम्मेलनम्

गुरुकुल-विद्यालयस्य सकृद्भवनम् आयोजनयति

भारतस्य ऐतिहासिकयात्रा

(ऐतिहासिक-लघुनाटकानां प्रस्तुतिकरणम्)

प्रमुखातिथिः : डॉ. रघुनाथः (विद्यायाः अभिनेता)

अध्यक्षः : श्री. नवीनः सकळाले (प्रधानः)

स्थानम् : सावित्रीबाई फुले सभामन्दिरम्, सकृद्भवनम् ।

समयः : रात्रौ ८.०० तः १०.००

दिनांकः : १४ दिसम्बर २०२३

छात्राणां पालकानां च हार्दं स्वागतम् ।

संयोजकाः

नीलिमा लघडे (सम्पर्कसञ्चालकः)

सुगन्धः वेत्ती

विजयः लमकाने

छात्रप्रमुखः

छात्रप्रमुखः

ई-मेल सम्पर्कः :

• slk2v1@rediffmail.com

• skk@hotmail.com

Quick Tip

संस्कृत निमन्त्रणपत्रिका लेखन में परंपरागत शिष्टाचार का ध्यान रखते हुए विनम्र भाषा का प्रयोग करना आवश्यक होता है ।

३. अधोलिखितेषु एकं विषयम् आधृत्य संस्कृतभाषया ८-१० वाक्येषु निबंधलेखनं कुरुत ।

१. भारतविज्ञा ।

उत्तर : भारतं महत्त्वपूर्णं देशः अस्ति । एषः विज्ञानस्य, इतिहासस्य, संस्कृतस्य च केन्द्रं भवति । अत्र न केवलं प्राचीनं ज्ञानं विद्यते अपितु आधुनिकं विज्ञानं अपि विकसति । आर्यभट्टः गणितस्य महान् विद्वानः आसीत् । भारते योगस्य परम्परा अपि अस्ति । आधुनिककाले इसरो संस्थायाः कृते भारतं अन्तरिक्षक्षेत्रे अपि अग्रगण्यं राष्ट्रं भविष्यति । भारतस्य प्रगति सर्वत्र दृश्यते ।

Quick Tip

भारत के विज्ञान और इतिहास से संबंधित प्रमुख विषयों को समझकर निबंध अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है ।

२. परोपकारः ।

उत्तर : परोपकारः जीवनस्य परमं धर्मः अस्ति । यः परहितं करोति, सः जीवनस्य सार्थकतां प्राप्नोति । वृक्षाः परोपकाराय छायां ददाति, नद्यः जलं ददाति, सूर्योऽपि जीवनाय प्रकाशं ददाति । एवं मनुष्यः अपि परोपकारेण जीवनं सार्थकं करोतु । यदि सर्वे परोपकारं कुर्वन्ति, तर्हि विश्वं सुखमयम् भविष्यति । परोपकारेण समाजे स्नेहः, शान्तिः च स्थायि भवति ।

Quick Tip

निबंध में उपमाओं और उदाहरणों का प्रयोग करने से भाषा अधिक प्रभावशाली बनती है ।

(३).

मम प्रिय अभिनेता ।

उत्तर : मम प्रिय अभिनेता शाहरुख़ खानः अस्ति । सः प्रसिद्धः भारतीयः अभिनेता अस्ति । सः न केवलं अभिनयकला विशारदः अस्ति, अपितु सः विनयशीलः अपि अस्ति । सः अनेकेषु चलचित्रेषु कार्यं कृतवान् । तस्य अभिनयः सर्वेषां मनसि स्थानं लभते । सः दानं कृत्वा समाजसेवायामपि अग्रगण्यः अस्ति । एतत्कारणात् सः मम प्रिय अभिनेता अस्ति ।

Quick Tip

किसी व्यक्ति के विषय में लिखते समय उनके गुण, उपलब्धियाँ और समाज पर प्रभाव को उजागर करना आवश्यक होता है ।

७. अवबोधनं कृत्वा कुरुत । (५ तः ४)

(अ). नामतालिका पूरयत । (८ तः ६)

क्र. वचनम्	नाम	प्रातिपदिकम्	अन्तः	लिङ्गम्	विभक्तिः
१ ---	वासः	वासस्	---	नपुंसकलिङ्गम्	प्रथमा
२ ---	बभूः	---	उकारान्तः	स्त्रीलिङ्गम्	द्वितीया
३ एकवचनम्	सरस्वती	---	ईकारान्तः	स्त्रीलिङ्गम्	---
४ एकवचनम्	हनुमान्	---	मतुप्रत्ययान्तः	---	प्रथमा

उत्तर :

1. वासः (वासस्, नपुंसकलिङ्गम्, प्रथमा)
2. बभूः (उकारान्तः, स्त्रीलिङ्गम्, द्वितीया)
3. सरस्वती (ईकारान्तः, स्त्रीलिङ्गम्, एकवचनम्)
4. हनुमान् (मतुप्रत्ययान्तः, प्रथमा, एकवचनम्)

Quick Tip

संस्कृत संज्ञाओं की विभक्तियों और लिंगभेद को सही तरीके से समझकर रूपों का अभ्यास करने से संज्ञा प्रयोग में सहायता मिलती है ।

(आ). समासतालिका पूर्यत । (८ तः ६)

क्र. समासनाम	समस्तपदम्	समासविधयः
१ कर्मधारयः	स्तुतिकृता	-----
२ सह बहुव्रीहिः	-----	अनिलेन सह
३ इतरेतर द्वन्द्वः	स्त्रीपुरुषः	-----
४ नञ् तत्पुरुषः	-----	न कृष्णः
५ तृतीय तत्पुरुषः	-----	अर्थः हीनः
६ -----	प्रकृतिस्थः	प्रकृत्या स्थितं इति
७ प्राति तत्पुरुषः	-----	सुखं विहितानि
८ -----	प्रतिदिनम्	दिने दिने

उत्तर :

1. स्तुतिकृता (कर्मधारयः)
2. अनिलेन सह (सह बहुव्रीहिः)
3. स्त्रीपुरुषः (इतरेतर द्वन्द्वः)
4. न कृष्णः (नञ् तत्पुरुषः)
5. अर्थः हीनः (तृतीय तत्पुरुषः)
6. प्रकृतिस्थः (प्रकृत्या स्थितं इति)
7. सुखं विहितानि (प्राति तत्पुरुषः)
8. प्रतिदिनम् (दिने दिने)

Quick Tip

संस्कृत समासों को पहचानने और सही नाम देने के लिए पहले उनका विभक्ति प्रयोग समझना आवश्यक होता है ।

इ. मङ्गशुताः : तदृशताः-कृत्वानां विवक्षा उचितस्थानं लिखत । (८ तः ६)

तदृशताः	कृत्वानः
वासः	कर्मधारयः
बभूः	कर्तृत्वम्
सरस्वती	उपकारः
हनुमान्	भक्तिपंथः

(विकल्पः : भाषाः, प्रयत्नम्, वैशिष्ट्यम्, धार्तराष्ट्रः, आचारः, मानवः, प्राणी, स्तुतिः)

उत्तरः उचित स्थानों को भरकर यह सारणी पूर्ण करें । प्रत्येक शब्द के लिए समुचित उदाहरणों को ध्यान में रखें ।

Quick Tip

संस्कृत में तदृश और कृत्वान का प्रयोग विशेषण-विशेष्य संबंध को स्पष्ट करने के लिए किया जाता है ।

ई. समानार्थकशब्द लिखत । (८ तः ६)

अग्निः - ज्वाला ।

माजारः - सारः ।

कुञ्जलः - शंखः ।

हिरण्यम् - स्वर्णम् ।

शुकनः - पारदः ।

सहस्राक्षः - सहस्रपदः ।

अश्वः - घोडः ।

पत्नी - कांस्यं ।

उत्तर : विद्यार्थिगणं उचितान् समानार्थकशब्दान् चयन्य रिक्तस्थानं पूरयन्तु ।

Quick Tip

संस्कृत में समानार्थक शब्दों को समझने के लिए उनके प्रयोग और संदर्भ को ध्यानपूर्वक देखना चाहिए ।

३. सूचनासारं पर्यवर्तितं कुरु । (५ तः ३)

गन्धः :: _____ गायति । ('गां' स्थानं 'गायति' प्रवृत्तं बाकं पुनर्लिखत्)

विनायकः :: विवर समवसितं बहिः निर्मिम्ये यते च । (पूर्वकान्तवाक्यं धारणीकरितं अन्यं योजयता)

प्रशासनकालाः :: _____ अतीव समयं सति । (लक्षद्वारे पर्यवर्तितं)

नटः :: _____ वर्तते । ('नट' स्थानं 'नटन' प्रवृत्तं बाकं पुनर्लिखत्)

न कृपणं युञ्जते प्रवृत्तं बहिनं गृहं । (सत्यं - सर्वानि स्तनं निवासस्मा)

उत्तर : उपयुक्त वाक्यांशों में उचित स्थानों को भरें । संधि का सही प्रयोग करना और सभी नियमों का पालन करना आवश्यक होता है ।

Quick Tip

संस्कृत में संधि के नियमों का पालन करते हुए शब्दों को जोड़ने से वाक्य अर्थपूर्ण और व्याकरणिक दृष्टि से सही बनते हैं ।

६. संस्कृतवाक्यानि माध्यम्भाषया अनुबन्धं कुरुत । (६ तः ४)

१. अंति प्रतिनिवेद्यं प्राप्तं काले अन्यवाणि इत्यानि ।

उत्तर : अयं वाक्यं सूचनापरकं अस्ति । यत्र प्रतिवेदनं समये प्राप्तं काले प्राप्तं अस्ति, इति विवेचनं कर्तव्यं ।

२. सम्प्रति भारतः युवकानां देशः इति ज्ञायते ।

उत्तर : सम्प्रति भारतं एकं प्रगत्यात्मकम् राष्ट्रं दर्शयन्ति । युवजनाः अन्यदेशे दृष्टिं प्रतिवर्तयन्ति ।

Quick Tip

"सम्प्रति" शब्दः वर्तमानकालस्य अवस्थां सूचयति । यः वाक्ये वर्तमानकालं प्रकटयति, सः प्रत्युत्थानशीलता दर्शयति ।

३. बुद्धिमान् मनुष्यः स्थानं न परित्यजेत् ।

उत्तरः बुद्धिमान् मनुष्यः स्वधर्मे स्थित्वा, स्थानं न परित्यजेत् । यः व्यक्ती अपने कर्तव्यों में स्थिर रहता है, सः श्रेष्ठ अस्ति ।

४. को खेते चक्रं ?

उत्तरः वह वाक्य प्रश्नवाचकं अस्ति । "चक्रं" शब्दे कर्मसम्बन्धितं प्रश्नः कृतः अस्ति । विवेचनम् : प्रश्नसूत्रे "कः ?" शब्दे विषयं परिगणयित्वा, प्रत्युत्तरं आवश्यकं अस्ति ।

५. भरतं ताम्रकं महानं नृपः आसीत् ।

उत्तरः भरतं महापुराणे एकं प्रसिद्धं नृपं दर्शयितुं विशेषं स्थानं प्रयोज्यते । ताम्रकं महानं राजा, नृपं पुराणकाले प्रभावशाली आसीत् ।

६. त्वं देवं नत्वा तव कार्यं कुर्व ।

उत्तरः त्वं देवं नत्वा, तव कार्यं कुर्व । एषा आज्ञा सन्तुष्टि आणि उचिते कार्ये सम्पूर्णे कुर्वन्ति ।

Quick Tip

संस्कृत वाक्यां में क्रिया तथा कार्य की दिशा स्पष्ट करने के लिए सही शब्द प्रयोग अत्यन्त आवश्यक होता है ।